कृषि विज्ञान केन्द्र
गांधी विद्या मंदिर, सरदारशहर, चूरू (राज.)

ई–न्यूज लेटर

मार्च 2026, अंक :23

रबी फसलों में सूक्ष्म पोषक तत्व प्रबंधन पर वैज्ञानिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

कृषि विज्ञान केंद्र, सरदारशहर द्वारा रबी फसलों की उत्पादकता एवं गुणवत्ता में सुधार हेतु "रबी फसलों में सूक्ष्म पोषक तत्व प्रबंधन (Micronutrient Management in Rabi Crops)" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस क्रम में प्रथम प्रशिक्षण दिनांक 3 फरवरी 2026 को ग्राम दुल्लरासर में तथा द्वितीय प्रशिक्षण दिनांक 7 फरवरी 2026 को कृषि विज्ञान केंद्र सभागार में सम्पन्न हुआ।दोनों कार्यक्रमों में वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. वी.के. सैनी ने चूरू जिले की प्रमुख रबी फसलों जैसे गेहूं, चना एवं सरसों में सूक्ष्म पोषक तत्वों की वैज्ञानिक भूमिका पर विस्तृत जानकारी दी । उन्होंने बताया कि जिंक (Zn), आयरन (Fe), बोरॉन (B), मैंगनीज (Mn) एवं कॉपर (Cu) जैसे सूक्ष्म तत्व पौधों की एंजाइम क्रियाओं, क्लोरोफिल निर्माण, परागण, दाना भराव एवं समग्र फसल विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।उन्होंने विभिन्न फसलों में सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी के लक्षणों—जैसे पत्तियों का पीला पड़ना (क्लोरोसिस), वृद्धि में अवरोध, दाने का कमजोर विकास—की पहचान एवं उनके वैज्ञानिक प्रबंधन के उपायों पर विशेष बल दिया। साथ ही मृदा परीक्षण आधारित पोषण प्रबंधन (Soil Test Based Nutrient Management), फोलियर स्प्रे तकनीक (Foliar Application), बीज उपचार (Seed Treatment) एवं संतुलित उर्वरक प्रबंधन (Balanced Fertilization) की उन्नत विधियों को विस्तार से समझाया गया।डॉ. सैनी ने यह भी बताया कि सूक्ष्म पोषक तत्वों का समुचित एवं संतुलित उपयोग न केवल फसल उत्पादन को बढ़ाता है, बल्कि मृदा स्वास्थ्य (Soil Health) को बनाए रखने एवं पोषक तत्वों की उपलब्धता को संतुलित करने में भी सहायक होता है। उन्होंने मृदा परीक्षण के आधार पर उर्वरकों के प्रयोग, फसल अनुसार आवश्यक तत्वों की मात्रा, एवं उचित समय पर इनके छिड़काव एवं उपयोग की विधियों को भी समझाया।ग्राम दुल्लरासर में आयोजित प्रशिक्षण में कुल 46 किसानों (महिला एवं पुरुष) ने सहभागिता की, जबकि कृषि विज्ञान केंद्र सभागार में आयोजित कार्यक्रम में 20 किसानों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण के दौरान सक्रिय सहभागिता करते हुए वैज्ञानिक जानकारी प्राप्त की एवं अपनी समस्याओं का समाधान विशेषज्ञों से प्राप्त किया।

एलोवेरा प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन तकनीक पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

चूरू जिले में पंच गौरव योजना के अंतर्गत एलोवेरा को शामिल किए जाने के परिप्रेक्ष्य में कृषकों की आय में वृद्धि एवं स्वरोजगार के अवसर सृजित करने हेतु कृषि विज्ञान केंद्र, सरदारशहर द्वारा दिनांक 3 फरवरी 2026 एवं 23 फरवरी 2026 को केंद्र के सभागार में एलोवेरा प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन तकनीक विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में तारानगर, रतनगढ़, चूरू एवं सरदारशहर तहसील के विभिन्न क्षेत्रों से आए 122 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

इन कार्यक्रमों का आयोजन उद्यान विभाग के सहयोग से किया गया, जिसमें प्रतिभागियों को एलोवेरा से विभिन्न उत्पादों जैसे जूस, जैल, कॉस्मेटिक उत्पाद आदि के निर्माण एवं उनके व्यावसायिक महत्व की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।कार्यक्रम के दौरान विषय-विशेषज्ञ (उद्यान) श्री अजय कुमावत द्वारा एलोवेरा की उन्नत खेती, पौध चयन, रोपण विधि, सिंचाई प्रबंधन, रोग एवं कीट नियंत्रण तथा फसल कटाई के बाद प्रबंधन (Post-harvest management) ,मूल्य संवर्धन पर व्याख्यान दिया गया। उन्होंने बताया कि एलोवेरा की पत्तियों से जैल निकालने की

वैज्ञानिक विधि, उसकी स्वच्छता एवं गुणवत्ता बनाए रखने के उपाय अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने एलोवेरा जैल, जूस, स्किन केयर उत्पाद, हेयर केयर उत्पाद तथा हर्बल औषधियों के निर्माण की तकनीकों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने यह भी बताया कि उचित ब्रांडिंग, पैकेजिंग एवं विपणन रणनीति अपनाकर किसान एलोवेरा उत्पादों से अच्छा लाभ अर्जित कर सकते हैं।उद्यान विभाग (Horticulture Department) के विशेषज्ञों द्वारा भी पर महत्वपूर्ण मार्गदर्शन दिया गया। उन्होंने किसानों को बताया कि गुणवत्तायुक्त उत्पादन के साथ-साथ प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन को अपनाना वर्तमान समय में अत्यंत आवश्यक है।कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिभागियों के लिए कृषि विज्ञान केंद्र स्थित एलोवेरा इकाई का अवलोकन (Exposure Visit) भी करवाया गया, जिससे कृषकों को व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त हुआ और वे इन तकनीकों को अपने स्तर पर अपनाने के लिए प्रेरित हुए।

कृषि विज्ञान केंद्र सभागार में “भारत विस्तार” लॉन्चिंग कार्यक्रम का लाइव टेलीकास्ट आयोजित

कृषि विज्ञान केंद्र, सरदारशहर के सभागार में दिनांक 17 फरवरी 2026 को “भारत विस्तार” कार्यक्रम की लॉन्चिंग का लाइव टेलीकास्ट किसानों एवं प्रशिक्षणार्थियों को प्रदर्शित किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य किसानों को नई तकनीकों, डिजिटल प्लेटफॉर्म एवं सरकारी पहलों से जोड़ना तथा कृषि क्षेत्र में नवाचारों की जानकारी प्रदान करना था।कार्यक्रम के दौरान “भारत विस्तार” लॉन्चिंग के प्रमुख बिंदुओं को प्रतिभागियों के समक्ष विस्तार से प्रस्तुत किया गया। इसमें किसानों को डिजिटल माध्यम से कृषि संबंधी जानकारी प्राप्त करने, आधुनिक तकनीकों को अपनाने, विशेषज्ञों से सीधे जुड़ने तथा कृषि से जुड़े विभिन्न संसाधनों तक सरल पहुंच बनाने के बारे में बताया गया।इस पहल से अधिक से अधिक किसानों तक जानकारी पहुंचाने में सफलता प्राप्त हुई।कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र पर कुल 68 प्रतिभागियों ने प्रत्यक्ष रूप से भाग लिया, जबकि लगभग 125 किसानों ने विभिन्न गांवों से ऑनलाइन माध्यम के जरिए इस लाइव टेलीकास्ट को देखा और कार्यक्रम से जुड़कर लाभ प्राप्त किया।

दाल प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन के माध्यम से महिला उद्यमिता विकास पर प्रशिक्षण सम्पन्न

कृषि विज्ञान केंद्र, सरदारशहर द्वारा ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार एवं आत्मनिर्भरता की दिशा में सशक्त बनाने के उद्देश्य से दिनांक 24 से 28 फरवरी 2026 तक पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम "दाल प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन के माध्यम से उद्यमिता विकास" विषय पर आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में गांव बरलाजसर एवं पुलासर की 21 महिलाओं ने सहभागिता निभाई।

प्रशिक्षण के दौरान विषय-विशेषज्ञ डॉ. रमन जोधा एवं अन्य विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागियों को दालों के प्रसंस्करण एवं उनके मूल्य संवर्धन की उन्नत तकनीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। उन्होंने दालों की सफाई, ग्रेडिंग, मिलिंग, भंडारण तथा गुणवत्ता बनाए रखने के वैज्ञानिक तरीकों पर विशेष जोर दिया। प्रतिभागियों को "मेथड डेमोंस्ट्रेशन" के माध्यम से इन उत्पादों को बनाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया, जिससे वे स्वयं इन तकनीकों को अपनाने में सक्षम हो सकें। इसके अतिरिक्त, महिलाओं को आय सृजन के दृष्टिकोण से मूंग, मोठ , चना दालों एवं उनके उत्पादों के विपणन, लागत-लाभ (Economics), मूल्य निर्धारण एवं स्थानीय बाजार में संभावनाओं के बारे में भी मार्गदर्शन प्रदान किया गया। विशेषज्ञों ने बताया कि उचित प्रसंस्करण एवं आकर्षक पैकेजिंग के माध्यम से दाल आधारित उत्पादों से बेहतर आय अर्जित की जा सकती है।प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को कृषि विज्ञान केंद्र स्थित दाल प्रसंस्करण इकाई का अवलोकन (Exposure Visit) भी करवाया गया, जहां उन्हें दाल बनाने की संपूर्ण प्रक्रिया को व्यावहारिक रूप से समझाया गया। इस अनुभव से महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ा एवं उन्होंने स्वयं के उद्यम स्थापित करने के प्रति रुचि दिखाई |

संकलनकर्ता	संपादक	प्रकाशक
श्री मुकेश शर्मा (पौध सरंक्षण विशेषज्ञ) श्री हरीशकुमार रछौया (फसल उत्पादन विशेषज्ञ) श्री श्याम बिहारी (पशुपालन विशेषज्ञ) डॉ. अजय कुमावत (बागवानी विशेषज्ञ) डॉ. प्रवीन धांगड़ , विषय विशेषज्ञ (कृषि अभियांत्रिकी) श्री कानाराम सोढ (फार्म मैनेजर)	डॉ. रमन जोधा (विषय वस्तु विशेषज्ञ गृह विज्ञान) Designed श्री सुनील कुमार वी.वी.,स्टैनो Typed श्री ओ.पी.शर्मा, टाइपिस्ट	डॉ. वी. के. सैनी वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख कृषि विज्ञान केन्द्र, सरदारशहर,चूरू–I